नव सृजन | काशी मरणान्मुक्ति

अयोध्या, मथुरा, माया, काशी, कांचि, अवन्तिका, पुरी, द्वारावती चैवसप्तैता।

इन सात मुक्तिपुरियों में से एक काशी में मुक्ति की अवधारणा का अत्यधिक महत्व होने के कारण ही उपन्यास 'काशी मरणान्मुक्ति' ।

शिव के साथ प्रकाशन हुई से सम्बन्धित इस उपन्यास के लेखक हैं मनोज उपाध्याय व रश्मि उपाध्याय जिन्होंने दंपत्ति के रूप में एक नई दिशा की जीवन यात्रा के आरंभ में काशी अर्थात् वाराणसी की भव्यदार्शनिक यात्रा व उसके उपरान्त शिव तत्व को लिए यात्रा का वर्णन किया है, वह निःसंदेह अद्भुत है।

पार्वतीय अंचल की छात्रा शिव महिमा व अंत पार वह रच में तीन दूर नदी के साथ संगम व दर्शनीय है कि लालियाल से आकांक्षाओं की ओर चलते हुये शिव पर्वत उपन्यास के नायक की मानि स्वयं के मोहन जैसे शिव से अपने गुरु के साथ एकात्मक हुआ जा सकता है।

नायक के माध्यम से काशी के वर्णन, वहां विराजते शिव, उनके द्वारा शव के रूप में पूजे जाने वाले नायक द्वारा उस मृत्यु को भी कैसे जिया जाए, इसकी प्रेरणा दूत से यही पूरे उपन्यास की आधारशिला के रूप में नायक का चालाक बनना और उसका नाम अघोरानन्दनाथ रखा जाना जिसका कि प्रत्यक्ष शब्द ही शमशान की उपाधि लगा है।

लेखकद्वय की कल्पनाशक्ति को दर्शाता है कि काशी प्रवासिनी शिव महिमा के ज्ञाता से लिए एक पंडित व ब्रह्मणी के दूत को उनके पास्थान हेतु भेजा गया।

किसी उपन्यास की सार्थकता के लिए जिस आलोचक तत्वज्ञता की आवश्यकता होती है कि वह अपने मूल विषय के साथ न्यायपूर्ण किसी विषय की उसे तात्कालिक आवश्यकता के साथ बुनता चले तो एक उपन्यास रहे। जैसे कि नायक से प्रारंभ शिव के लिए खोजा जो कि कालान्तर जाकर से शमशान घर वाली आ आजा, वाला बेरंग लाए वह दोनों में पकवान होने की कथा सुनाते हुये दुग्धपान का दूध, कुल्हाड़ी की दुधा और पाषाण की अनपूर्णा मानने वाली प्रवृत्ति का उपन्यास में कहानी के साथ साथ चलना।

लेखकद्वय ने आध्यात्मिकता और लगाव, आलोचना और सत होने के बीच काशी, तुलसी, बुद्ध, गुरु औघड़ के आगमन से नायक मार्ग को सामने रखकर जिस तरह अपेक्षाकृत को दिशा दी वह उपन्यास की आधारशिला कलिष्टता के बाद भी पाठक का चित्त से साक्षात्कार कराने में सक्षम है।

उपन्यास की भाषा यदि अपेक्षाकृत सरल होती तो काशियों की ओर ओर न होने वाली सहिष्णु मनुष्यति के बढ़ा जा सकता था। आधुनिक साहित्य की लोकप्रियता वाली भीड़ के बीच यह एक उत्कृष्ट कृति है।

-अनामिका सिंह

उपन्यास - काशी मरणान्मुक्ति
लेखक - मनोज उपाध्याय रश्मि उपाध्याय
मूल्य - 300 रुपये
प्रकाशन - शिव ज्ञान प्रकाशन,
21-24 पीपु मार्केट,
10 कनॉट सी कृष्णन पैलेस,
दिल्ली, भारत।
Telephone: +91 731 4235784, 2550217
ई-मेल : info@shivgyan.com